नवभारत
भोपाल, सोमवार 23 मार्च 2026

मार्च में ही मई-जून जैसी गर्मी

किसान परेशान, 20 दिन पहले पकी गेहूं की फसल, जल्द कटाई में जुटे अन्नदाता

छतरपुर , 22 मार्च. बुंदेलखंड के छतरपुर जिले में इस वर्ष मौसम के बदले मिजाज ने किसानों के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है.

मार्च के महीने में ही तापमान इतना बढ़ गया है कि लोगों को मई-जून जैसी तेज और चुभती गर्मी का अहसास होने लगा है. इस असामान्य गर्मी का सीधा असर रबी फसलों पर पड़ा है, जिससे गेहूं की फसल निर्धारित समय से करीब 20 दिन पहले ही पककर तैयार हो गई है. जिले में इस बार फसल की पैदावार अच्छी रही, लेकिन अचानक बढ़ी गर्मी ने गेहूं को समय से पहले पका दिया. ऐसे में किसान मजबूरन खेतों में

उतरकर 'सोने' जैसी सुनहरी फसल की कटाई में जुट गए हैं. मटर और चना जैसी फसलें पहले ही कट चुकी हैं, अब किसानों का पूरा ध्यान गेहूं को सुरक्षित घर तक पहुंचाने पर है. हार्वेस्टर और थ्रेसिंग मशीनों के जरिए किसान दिन-रात काम कर रहे हैं, ताकि फसल को किसी भी नुकसान से बचाया जा सके.

खुशी के बीच नुकसान का डर

एक ओर अच्छी पैदावार से किसानों के चेहरे पर खुशी है, वहीं दूसरी ओर बारिश की आशंका ने उनकी चिंता बढ़ा दी है. हाल ही में हुई हल्की बारिश से गेहूं की गुणवत्ता पर थोड़ा असर पड़ा है, जिससे अनाज कुछ कमजोर हुआ है. अब किसान किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते और खलिहानों में दिन-रात थ्रेसिंग कर फसल को सुरक्षित करने में जुटे हैं.

कृषि विभाग और वैज्ञानिकों की सलाह

मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है. नौगांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी राजीव सिंह ने कहा, 'आने वाले दिनों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी की संभावना है. किसान भाई जल्द से जल्द फसल काटकर सुरक्षित स्थान पर रखें, ताकि नुकसान से बचा जा सके.'

4 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

डायल 112, पुलिस, नपा, ग्रामीणों के प्रयास से बची बैल की जान

छतरपुर, 22 मार्च. खजुराहो थाना क्षेत्र में एक सराहनीय रेस्क्यू ऑपरेशन सामने आया, जहां रात के समय कुएं में गिरे एक बैल को करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया.

जानकारी के अनुसार, रात करीब 1:30 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि सेवाग्राम क्षेत्र में एक घर के पास स्थित कुएं में बैल गिर गया है. सूचना मिलते ही थाना खजुराहो पुलिस, मोबाइल टीम और डायल 112 स्टाफ मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया. रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए नगर पालिका और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सीढ़ी, रस्सी, बल्ली और पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की गई. बैल

को पानी में डूबने से बचाने के लिए उसे सहारा दिया गया और पूरी सावधानी के साथ बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई.

करीब 4 घंटे तक चले इस संयुक्त अभियान के बाद बैल को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया गया. इस रेस्क्यू ऑपरेशन में पुलिस टीम, नगर पालिका और क्षेत्रवासियों की अहम भूमिका रही, जिसकी क्षेत्र में सराहना की जा रही है.

धसान नदी में छापा

रेत माफिया सिंडिकेट बेनकाब

छतरपुर, 22 मार्च. छतरपुर, टीकमगढ़ और उत्तर प्रदेश के झांसी जिले की सीमा पर बहने वाली धसान नदी के खकोरा घाट पर रेत माफियाओं के खिलाफ बड़ी संयुक्त कार्रवाई की गई.

यूपी और एमपी के खनिज विभागों की घेराबंदी से माफियाओं में हड़कंप मच गया. कार्रवाई के दौरान अवैध उत्खनन में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम लिफ्टर मशीनें जब्त की गईं.

- उत्तर प्रदेश से खदेड़े गए माफिया
- एमपी में खनिज विभाग ने 3 लिफ्टर किए जब्त

झांसी में छापा, छतरपुर में फंसे माफिया

जानकारी के अनुसार, झांसी (उत्तर प्रदेश) की खनिज टीम ने खकोरा घाट पर अचानक दबिश दी. पुलिस को देखते ही माफियाओं में भगदड़ मच गई. अपनी मशीनें बचाने के लिए वे टीकमगढ़ होते हुए छतरपुर की सीमा में घुस गए, लेकिन यहां पहले से सतर्क टीम ने उन्हें पकड़ लिया.

खनिज अधिकारी अमित मिश्रा की कार्रवाई

सूचना मिलते ही छतरपुर के खनिज अधिकारी अमित मिश्रा ने टीम के साथ घेराबंदी कर दी. छतरपुर सीमा में घुसे तीन लिफ्टर और अन्य मशीनों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया. सभी मशीनों को अलीपुरा थाने में सुरक्षित रखवा दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है.

बिना अनुमति चल रहा था अवैध खनन

खनिज विभाग के अनुसार, टीकमगढ़ जिले में संबंधित रेत कंपनी की किस्त जमा न होने के कारण फरवरी से खनन अनुमति (ईटीपी) बंद है. इसके बावजूद माफिया लगातार धसान नदी में अवैध उत्खनन कर रहे थे. लंबे समय से मिल रही शिकायतों के बाद इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया, जिससे रेत माफिया सिंडिकेट पर बड़ी चोट मानी जा रही है.

झगड़ा छुड़ाने गए युवक पर जानलेवा हमला

मातगुवां के मामौन गांव में खूनी संघर्ष, 'हैप्पी राजा' गंभीर घायल

छतरपुर, 22 मार्च. जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मामौन में रविवार शाम इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई.

दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद को शांत कराने पहुंचे एक 21 वर्षीय युवक पर आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया. हमले में युवक के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया. घटना के बाद जब घायल युवक के परिजन मौके पर पहुंचे, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की. साथ ही लाठी-डंडे लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी. घायल सत्येंद्र सिंह को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनके सिर में कई टांके लगाए. फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है. सूचना मिलते ही मातगुवां थाना पुलिस मौके पर सक्रिय हुई. पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है. ग्रामीणों ने घटना की कड़ी निंदा की है. पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी.

मदद करना पड़ा भारी

जानकारी के अनुसार, फरियादी सत्येंद्र सिंह बुंदेला उर्फ 'हैप्पी राजा' (21) रविवार शाम करीब 7 बजे अपने घर के सामने से गुजर रहे थे. तभी उन्होंने गांव में दो पक्षों के बीच विवाद होते देखा. मौके पर मौजूद एक महिला के रोते हुए शांत कराने के आग्रह पर वे बीच-बचाव करने पहुंचे. इसी दौरान एक पक्ष के लोगों ने उन पर अचानक लकड़ी के डंडों से हमला कर दिया. हमला इतना तेज था कि युवक का सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया.

अवंतीबाई लोधी का बलिदान दिवस श्रद्धा के साथ मनाया

चंदला. वीरांगना अवंतीबाई लोधी के 168वें बलिदान दिवस के अवसर पर लुहारपुरवा स्थित बरम बाबा स्थान में सर्व समाज द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही, जिन्होंने वीरांगना के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने अवंतीबाई लोधी के अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है.

मीट दुकान खुलने पर हंगामा

छतरपुर 22 मार्च. महाराजपुर क्षेत्र में रामनवमी और नवदुर्गा पर्व के दौरान मीट-मुर्गा की दुकान खुली रहने को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया.

- नवरात्रि में मंदिर के पास मांस बिक्री का विरोध
- पुलिस ने बंद कराई मीट की दुकान

थाना क्षेत्र के पास और शिव मंदिर के नजदीक स्थित दुकान पर मांस बिक्री होने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई और हंगामे की स्थिति बन गई. स्थानीय लोगों का आरोप है कि धार्मिक पर्व को ध्यान में रखते हुए उन्होंने दुकान संचालक से केवल नौ दिनों तक दुकान बंद रखने का अनुरोध किया था, लेकिन इसके बावजूद लगातार मांस की बिक्री जारी रही. इससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत होने की बात कही जा रही है. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस ने समझाइश देकर दुकान को बंद करवा दिया, जिसके बाद क्षेत्र में माहौल शांत हो गया. वहीं प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि मीट दुकानों को बंद कराने का कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है.

वॉटर फिल्टर प्लांट निर्माण में लापरवाही

घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप

चंदला, 22 मार्च. नगर के वार्ड क्रमांक 7 बराहियापुरवा में निर्माणाधीन वाटर फिल्टर प्लांट को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। जो कि यह परियोजना लगभग 27 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य बताया जा रहा है, स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी (एम पी यू डी सी) द्वारा कराए जा रहे इस निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। इससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि भविष्य में लोगों को मिलने वाली पेयजल सुविधा भी खतरे में पड़ सकती है। लोग भी खतरे में आ सकते है।

ग्रामीणों जगपाल यादव, रामकरण यादव और शीतल यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्माण कार्य में शुरू से ही लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर न तो सही तरीके से तलाई (फाउंडेशन की मजबूती) की जा रही है और न ही मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा सीसी (कंक्रीट) कार्य में भी काली मिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो किसी भी निर्माण के लिए बेहद निम्न स्तर की सामग्री मानी जाती है। घटिया निर्माण होने के कारण कभी भी खतरा हो सकता है।

आखिर जिम्मेदार कब जागेंगे?

स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य की निगरानी करने वाले जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नियमित रूप से निरीक्षण नहीं कर रहे हैं। इसी का फायदा उठाकर ठेकेदार द्वारा मनमाने तरीके से काम किया जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस मामले ने क्षेत्र में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। लोगों का कहना है कि सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई जा रही इस परियोजना का उद्देश्य जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है, लेकिन यदि निर्माण ही घटिया होगा तो इसका लाभ कैसे मिलेगा। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग और प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाते हैं। यदि समय रहते जांच और सुधार नहीं किया गया, तो यह परियोजना भ्रष्टाचार और लापरवाही की एक और मिसाल बनकर रह जाएगी। आखिर जिम्मेदार कब जागेंगे इन इस तरह के भ्रष्टाचार को रोकने के लिए तथा सरकारी धन राशि को बंदरबाट करने पर रोक लग सके।

अगर कमी पाई जाती है तो कार्रवाई होगी

चंदला नगरपरिषद इंजीनियर विपिन अग्निहोत्री से बात की गई थी कहना है कि 27 करोड़ की लागत की परियोजना है जो निर्माण कार्य वाटर प्लांट का हो रहा है इनका विभाग अलग है अगर कमी पाई जाती है तो कार्यवाही करवाई जाएगी।

ग्रामीणों का कहना है कि घटिया निर्माण के कारण प्लांट की संरचना कई जगह से कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। कुछ हिस्सों में तो मिट्टी धंसने की भी स्थिति बन गई है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में यह भवन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो सकता है और बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।

नवरात्रि में चाक-चौबंद सुरक्षा

छतरपुर, 22 मार्च. जिलें में चैत्र नवरात्रि पर्व के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है. जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों और व्यस्त मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके.

- धार्मिक स्थलों पर बढ़ी निगरानी
- निर्भया व मोबाइल टीमें सक्रिय

नवरात्रि के चलते मंदिरों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं. निर्भया टीम और अतिरिक्त मोबाइल टीमें लगातार क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है. भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है.

करीं में सरेराह गुंडागर्दी, ईंट से हमला

वायरल वीडियो से फैली दहशत, सिविल लाइन पुलिस ने शुरू की जांच

छतरपुर , 22 मार्च. शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करीं में सरेआम मारपीट का एक सनसनीखेज वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं. वायरल क्लिप में एक युवक घर के बाहर खड़े व्यक्ति पर गुस्से में ईंट से हमला करता नजर आ रहा है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद की शुरुआत मामूली कहासुनी से हुई थी, जो कुछ ही देर में हिंसक झगड़े में बदल गई. हमलावर युवक ने पास पड़ी ईंट उठाकर सामने खड़े व्यक्ति पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. इस दौरान मौके पर मौजूद लोग और राहगीर बीच-बचाव करते नजर आए, लेकिन युवक का गुस्सा शांत नहीं हुआ.

- देखते ही देखते रणक्षेत्र बना गांव

दहशत में ग्रामीण

घटना के बाद ग्राम करीं में भय का माहौल बना हुआ है. स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटी-छोटी बातों पर इस तरह की हिंसा चिंता का विषय है और कभी भी बड़ा रूप ले सकती है. ग्रामीणों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है.

पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

वीडियो वायरल होने के बाद सिविल लाइन थाना पुलिस हरकत में आ गई है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो के आधार पर आरोपी युवक की पहचान की जा रही है. आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

बोले धीरेंद्र शास्त्री — सनातन की आवाज उठाने वालों को मिल रहीं धमकियां

फरसा बाबा की मौत पर भड़के बागेश्वर बाबा

छतरपुर , 22 मार्च. जिले में गौ-तस्करी रोकने के प्रयास के दौरान जान गंवाने वाले गौ-रक्षक फरसा बाबा की मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है. इस घटना पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है. उन्होंने घटना को जघन्य बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा, यहां तक कि फांसी की मांग की है.

साधना के बीच जताया दुख

शनिवार शाम माता रानी की विशेष साधना के दौरान भक्तों को संबोधित करते हुए महाराज भावुक नजर आए. उन्होंने कहा कि फरसा बाबा जैसे सेवाभावी गौ-रक्षक का निधन पूरे सनातन समाज के लिए बड़ी क्षति है. उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वे भीतर तक आहत हो गए.

धमकियों को लेकर जताई चिंता

मंच से बोलते हुए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई. उन्होंने कहा, 'जो लोग हिंदू, हिंदुत्व और सनातन धर्म के लिए निस्वार्थ भाव से आवाज उठाते हैं, उन्हें अक्सर डराया-धमकाया जाता है. मुझे और मेरे परिवार को भी लगातार धमकियां मिल रही हैं, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे.'

समाज से की अपील

फरसा बाबा की कुचलकर हत्या को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. साथ ही समाज से अपील की कि यदि कोई स्वयं मैदान में उतरकर धर्म के लिए संघर्ष नहीं कर सकता, तो कम से कम ऐसे लोगों का समर्थन और सम्मान जरूर करे, जो गौ-सेवा और धर्म रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर रहे हैं.

जिला अस्पताल अंधेरे में, मरीज बेहाल

घंटों बिजली गुल, ब्लड बैंक ठप; जनरेटर नहीं चला, परिजनों का फूटा गुस्सा

छतरपुर, 22 मार्च . जिला अस्पताल में रविवार को गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया, जहां बिजली विभाग के मेंटेनेंस कार्य के चलते घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही.

इस दौरान अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गईं. सबसे ज्यादा प्रभावित ब्लड बैंक रहा, जहां बिजली न होने के कारण रक्त संग्रहण और क्रॉस-मैचिंग जैसी जरूरी जांचें नहीं हो सकीं. दूर-दराज के क्षेत्रों से आए गंभीर मरीजों के परिजन खून के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए. कई लोगों ने बताया कि मरीजों की हालत नाजुक थी, लेकिन ब्लड बैंक स्टाफ ने बिजली न होने का हवाला देकर असमर्थता जताई. मशीनें बंद होने से रक्त उपलब्ध नहीं हो सका और मरीजों की स्थिति और गंभीर हो गई. घटना के बाद अस्पताल में मौजूद लोगों ने जमकर विरोध जताया और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की. लोगों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है. उनका कहना है कि स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सेवा में इस तरह की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जा सकती.

जनरेटर बना 'सफेद हाथी'

हैरानी की बात यह रही कि अस्पताल में करोड़ों रुपये की लागत से लगा जनरेटर मौजूद होने के बावजूद उसे चालू नहीं किया गया. परिजनों ने आरोप लगाया कि जनरेटर सिर्फ दिखावे के लिए है और आपात स्थिति में भी इसका उपयोग नहीं किया गया. इससे अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही और संवेदनहीनता उजागर हुई है.